Dainik Bhaskar Dated 2nd Feb 2017

दैनिक भास्कर ऑफिस में बजट 2017 को लेकर हुए टॉक शो में रायपुरियंस ने रखी अपनी बात, बोले-

नोटबंदी ने कम कर दी बजट में रुचि

BUDGET 2017-18

सिटी रिपोर्टर • बुधवार को दिल्ली में केंद्रीय वित्त मंत्री अरुण जेटली ने देश का बजट पेश किया। दिनभर इसकी चर्चा गली, मुहल्ले, मॉल, मार्केट लगभग सभी जगह रही। बजट को लेकर क्या है रायपुरियंस की राय? ये जानने के लिए दैनिक भास्कर ऑफिस में 'टॉक शो' का आयोजन हुआ। इसमें शहर के मेडिकल, चार्टर्ड अकाउंटेंट, हायर एजुकेशन, बिजनेस सेक्टर, बिल्डर, आंत्रप्रेन्योर्स, स्टूडेंट्स, हाउस वाइफ्स और सोशल वर्कर्स ने हिस्सा लिया। सभी ने ओवर ऑल बजट की तारीफ की। साथ ही एक बात पर सभी एक राय होते दिखे कि पिछले सालों के मुकाबले इस बार लोगों ने बजट को उतना फॉलो नहीं किया। रुचि ही नहीं रह गया अब। वजह रही नोटबंदी। जिस दौर से आम आदमी गुजरा उससे वो सहनशील हो गया। इस बजट को लेकर ज्यादातर लोगों के मन में यही सोच है कि ठीक है जो बदलाव होंगे देख लेंगे...। सभी सेक्टर्स के लोगों ने ये भी स्वीकारा, चूंकि बजट नोटबंदी के बाद आया था, लिहाजा सभी को उम्मीदें काफी थीं मगर बजट में वैसा कुछ नजर नहीं आया। एजुकेशन, यूटिलिटी, इंडस्ट्री, हेल्थ जैसे सेक्टर्स में क्या कुछ असर होगा इस पर सभी ने अपने व्यूज दैनिक भास्कर से शेयर किए। पढ़िए शहर के लोगों की बात बजट पर उन्हीं के शब्दों में।

शेष पेज-3 पर

इस बजट को 10 में 6 अंक: डॉ. पराशर

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट के प्रोफेसर डॉ. संजीव पराशर बताते हैं कि बजट में एजुकेशन और हेल्थ में इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ क्वालिटी पर फोकस किया गया है। एजुकेशन फील्ड में एक स्वायत राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी की स्थापना की घोषणा की गई है। यूजीसी के कंट्रोल को रिलीव किया गया है। जिन इंस्टीट्यूट की रैंकिंग और क्रेडिट अच्छी है, उन्हें ग्रेटर ऑटोनॉमी का दर्जा मिलेगा। रूरल लेवल के 3479 ब्लॉक के लिए इनोवेशन फंड दिया गया है। स्लेम के तहत 350 ऑनलाइन कोर्सेस चलाए जाएंगे।

शेष पेज-3 पर

इस बजट को 10 में 6 अंकः डॉ. पराशर

झारखंड और गुजरात में एम्स के साथ एक करोड़ घर बनाने की घोषणा काफी अच्छा है। मनरेगा के लिए 48 हजार करोड़ का बजट दिया गया है। लेकिन बजट में एजुकेशन बेसिक रिफॉर्म देखने को नहीं मिली, जो एजुकेशन के लिए जरूरी है। सवा लाख हेल्थ सब सेंटर को अपर और डिस्ट्रिक्ट में लिंक कैसे करेंगे यह एक चुनौती है। इंटरनेशनल ट्रेड पर फोकस नहीं किया गया है, जो वर्ल्ड कॉम्पिटीशन के लिए जरूरी है। इस बजट को 10 में 6 अंक दूंगा।